एक नजर में

शिक्षक एवं लेखक पं. कपिल मिश्रा के संगीत एल्बम का पहला गीत शनिवार की शाम रिलीज

बुरहानपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरोदा में अंग्रेजी विषय के शिक्षक एवं लेखक पंडित श्री कपिल मिश्रा के संगीत एल्बम का पहला गीत शनिवार की शाम इस अवसर पर विधिवत रूप से रिलीज किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। गीत शनिवार की शाम को पंडित कपिल मिश्रा द्वारा लिखा गया है वीडियो एडिटिंग श्री महेश महाजन द्वारा की गई है, यह गीत स्पॉटीफाय, जियो सावन, यूट्यूब म्यूजिक, इंस्टाग्राम सहित 50 से अधिक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है, जहां इसे देश.विदेश के श्रोता देख और सुन सकते हैं। प्रभारी प्राचार्य श्री दिलीप चौधरी ने अपने संबोधन में पंडित श्री कपिल मिश्रा की रचनात्मक प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियां विद्यालय और समाज दोनों के लिए प्रेरणास्त्रोत होती हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से पंडित श्री कपिल मिश्रा को शुभकामनाएं दी गई तथा उनके उज्ज्वल एवं सृजनात्मक भविष्य की मंगलकामना की गई। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन दयाराम राठौर द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रभारी प्राचार्य दिलीप चौधरी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक.शिक्षिकाएं एवं छात्र छात्राए उपस्थित रहे।

हिंदी मात्र भाषा नहीं, संस्कृति एवं संस्कार है : डॉ. वीरेन्द्र निर्झर

बुरहानपुर। विश्व हिंदी दिवस पर मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति जिला इकाई द्वारा नवगीतकार डॉ.वीरेन्द्र निर्झर की अध्यक्षता एवं श्री कैलाश जयवंत के मुख्य आतिथ्य में हिंदी स्थिति एवं संभावनाएं विषय पर परिचर्चा एवं काव्य गोष्ठी राष्ट्रभाषा हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय में संपन्न हुई। परि चर्चा में हिंदी मनीषी एवं प्रख्यात लेखक, सम्पादक डॉ.सुरेन्द्र जैन भारती, प्रोफेसर शशिकांत दुबे, डॉ.अश्विनी महाजन, श्रीमती सुनंदा गावंडे, श्रीमती प्रेमलता सांखले, श्री सुमित धुर्वे आदि ने सहभागिता की। डॉ. वीरेन्द्र निर्झर ने इस अवसर पर कहा कि हिंदी बिंदी देश की, भाषा ललित ललाम, संस्कृति है, संस्कार है मौलिकता का नामण्हिंदी है अस्मिता देश की, संस्कृत की संतान, यह है जन गण मन की बोली, भाषा सरस, सुजान। प्रोफेसर सुरेन्द्र जैन भारती ने विचारों की एकरूपता एवं भाषा की सशक्तता पर विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि हम हिंदी बोलें तो हिंदी बोलेंए अंग्रेजी बोलें तो अंग्रेजी बोलेंण् दोनों को मिला.जुला कर बोलने की प्रवृत्ति भाषा के साथ अन्याय है। सरस्वती वंदना प्रोफेसर शशिकांत दुबे ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ.अश्विनी महाजन ने किया। श्रीमती सुनंदा गावंडे ने भारतीयता के लिए हिंदी को अनिवार्य बताया। श्रीमती प्रेमलता सांखले ने कहा कि हिंदी निरंतर विकसित हो रही है। आज भी सबसे अधिक पत्र पत्रिकाएं हिंदी में प्रकाशित हो रही हैं। कथाकार डॉक्टर उर्मिला चौकसे, प्रोफेसर सोनाली चौधरी, ज्योति पवार, करण पवार, वासुदेव खर्चे, विमल कुमार पाटनी, इन्द्रा जैन वामन प्रजापति, प्रशांत कवले आदि रचनाकारों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।

इच्छापुर में हिन्दू सम्मेलन : वर्तमान परिस्थितियों को देखकर समाज को जागरूक होना पड़ेगा : डॉ. अरुण भोलानकर

इच्छापूर। ग्राम इच्छापूर मे हिन्दू सम्मेलन सफल बनाने बनाने हेतू पाँच दिनो से सुबह-शाम ग्राम के युवाओं ने प्रभात फेरी निकालकर ग्रामीणों को जागृत कर रहे थे। 10 जनवरी को हिन्दू सम्मेलन श्री इच्छा देवी मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अर्जुन महाजन की, मुख्य अतिथी कैलाश यावतकर ,प्राचार्य श्रीमती प्रतिक्षा आमोदे ,ज्ञानेश्वरी ठाकुर ,डॉ. अरुण भोलानकर विषेश रुप से मौजूद थे । कार्यक्रम में डॉ.भालानकर ने बताया कि हम सब मूल रूप से हिन्दू है। जब जब हिन्दू भाव को हम भूले तब तब देश पर विपत्तीया आई ।माता / पिता अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे ,सही मोबाइल का उपयोग करे ,फालतू बातो पर ध्यान ना है। कैलाश यावतकर महाराज ने बताया कि आज बड़े सौभाग्य की बात है कि माँ इच्छा देवी के के चरणों में हिन्दू समेलन हो रहा है। गांव.गांव में युवाओ मे उत्साह दिखाई रहा है। समाजनों को एक स्थान पर एकत्रीत कर हिन्दू ओ को समझाया कि समाज में फैल्ली जातीवाद की प्रथा को समाप्त कर सभी जातीयों में प्रेम से रहने की अपील की। ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य सुरेश ताठे ने कहा कि में पहलीबार किसी मंच से बोल रहा हु। हिन्दू सम्मेलन करने की क्या जरूरत पड़ी, हिन्दू ओ के उपर बंगला देश एवं पाकिस्तान में में हो रहे अत्याचार ,बेकसुर हिन्दुओं को मारा जा रहा है। अब समय आ गया है कि हर हिन्दु और हर घर का जागृत होना पडेगा । इस कार्यक्रम में शुभम महाजन, किशोर बारी, रितेश महाजन, अमोल मराठा, कुनाल उधलकर, धनराज पाटनकर का सहयोग सराहनीय रहा । कार्यक्रम का संचालन मोहन पवार एवं आभार प्रदिप कापसे ने माना।

20 वर्षो से योग के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित करने वाले कर्मयोगी संजय राठौड़ का प्रेरणादायी सफर

बुरहानपुर। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। ''स्वामी विवेकानंद के इन विचारों को धरातल पर उतारने का कार्य पिछले दो दशकों से योग प्रशिक्षक संजय राठौड़ पूरी निष्ठा के साथ कर रहे हैं। सामूहिक सूर्य नमस्कार और युवा दिवस के इस पावन अवसर परए उनके योगदान की चर्चा करना हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक है जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहता है। संजय राठौड़ जी की योग यात्रा वर्ष 2005 में श्रीराम गुरुकुल आश्रमए खड़कोद से शुरू हुई। वहाँ प्रधानाचार्य के दायित्व का निर्वहन करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों के जीवन में योग के बीज बोए। उनकी मेहनत का ही परिणाम है कि आज उस गुरुकुल के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी योग कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

जिसका परिवार सुखी, उसके सातों वार सदा सुखी रहते हैं : संत श्री ललितप्रभ जी

राजस्थानी भवन में हजारों श्रद्धालुओं ने घर को स्वर्ग बनाने की सीखी कला

नवभारत न्यूज

बुरहानपुर। राष्ट्र.संत महोपाध्याय श्री ललितप्रभ सागर जी महाराज ने कहा कि जो अपने घर.परिवार में प्रेम नहीं घोल पाया वह भला समाज में क्या प्रेम रस घोल पाएगा। जो अपने सगे भाई को सहारा बनकर ऊपर उठा न पाया, वह समाज को क्या ऊपर उठा पाएगा। मकान, घर और परिवार की नई व्याख्या देते हुए संतश्री ने कहा कि ईंट, चूने, पत्थर से मकान का निर्माण होता है, घर का नहीं। जहाँ केवल बीबी.बच्चे रहते हैं वह मकान घर है, पर जहाँ माता.पिता और भाई.बहिन भी प्रेम और आदरभाव के साथ रहते हैं वही घर परिवार कहलाता है। चुटकी लेते हुए संतश्री ने कहा कि लोग सातों वारों को धन्य करने के लिए व्रत करते हैं, अच्छा होगा वे आठवां वार परिवार को धन्य करे, सातों वार अपने आप सार्थक हो जाएंगे।

राष्ट्र.संत रविवार को सकल जैन समाज के तत्वावधान में राजस्थानी भवन, इंदिरा कॉलोनी में जीने की कला पर आयोजित 2 दिवसीय विराट प्रवचन में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। संतप्रवर ने कहा कि जहां हम आधा.एक घंटा जाते हैं, उसे तो मंदिर मानते हैं, पर जहाँ 23 घंटे रहते हैं उस घर को मंदिर क्यों नहीं बनाते हैं। उन्होंने कहा कि घर का वातावरण ठीक नहीं होगा तो मंदिर में भी मन में शांति नहीं रहेगी पर हमने घर का वातावरण अच्छा बना लिया तो हमारा घर.परिवार ही मंदिर.तीर्थ बन जाएगा। संतश्री ने कहा कि घर का हर सदस्य संकल्प ले कि वह कभी किसी का दिल नहीं दुखाएगा। हम किसी के आँसू पौंछ सकते हैं तो अच्छी बात है, पर हमारी वजह से किसी की आँखों में आँसू नहीं आने चाहिए। अगर हमारे कारण माता.पिता की आँखों में आँसू आ जाए तो हमारा जन्म लेना ही बेकार हो गया। उन्होंने कहा कि हमसे धर्म.कर्म हो तो अच्छी बात हैए पर ऐसा कोई काम न करें कि जिससे घर नरक बन जाए।

उन्होंने कहा कि परिवार को अंग्रेजी में कहते हैं फैमिली का मतलब है फादर एण्ड मदर आई लव यू। जिस घर में माता.पिता से प्रेम और उनका सम्मान होता है, उसी का नाम परिवार है। उन्होंने कहा कि सप्ताह में सात वार होते हैं, पर दुनिया में एक आठवाँ वार और होता है, जिसका नाम है परिवार। यदि यह आठवाँ वार ठीक है तो सातों वार सुखदायी है। परिवार का गणित हमें समझाता है कि 5, 6, 7,8,9 भले ही कितने भी बड़े क्यों न हों, पर यदि वे आपस में झगड़ते रहेंगे तो उनकी कीमत कम ही होनी है और यदि मेल.जोल बनाकर रखेंगे तो 1 और 0 कम औकात के होने के बावजूद अपनी 10 गुना कीमत बना लेंगे।

डॉ मुनि शांति प्रिय सागर जी महाराज ने कहा कि संबोधि योग जीवन को सुंदर बनाने के लिए है। संबोधि योग के तीन रत्न हैं . आसन, प्राणायाम और ध्यान। आसन आरोग्य के लिए है, प्राणायाम से प्राण.शक्ति का विकास होता है और संबोधि ध्यान से आत्म.प्रकाश के मालिक बनते हैं, भीतर का अंधकार दूर होता है। उन्होंने कहा कि संबोधि ध्यान का लक्ष्य है . चंचल और उग्र मन को शांत और प्रसन्नतापूर्ण बनाना, आत्म.चेतना की ओर केन्द्रित होना। आत्मा में प्रेम, प्रसन्नता, आनंद, उत्साह, करुणा और सौंदर्य को सजीव करना सबसे सुंदर संबोधि साधना है। उन्होंने कहा कि मैं आत्मा हूँ इस सत्य का अनुभव करना ही आत्म.ज्ञान है। आत्मा के अंतरतम में परमात्मा की निर्मल अनुभूति परम आत्म.ज्ञान है। उन्होंने कहा कि मोक्ष है . शाश्वत शांति, परिपूर्ण आनंद। जैसे बच्चे परीक्षा खत्म होते ही किताबों को भूलकर अपनी सहज मस्ती में आ जाते हैं, ऐसे ही खुद को चाह और चिंता के बोझ से मुक्त करके अपनी सहज आनंदमयी स्थिति को जीना मोक्ष है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को योग क्रिया, प्राणायाम और मंत्र मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

इस अवसर पर महापौर माधुरी पटेल, चंद्रकांत जैन, मांगीलाल जैन, पंकज मेहता, विवेक जैन, पवन ठोलिया, प्रमोद भंडारी, मेहुल जैन, प्रकाश सेठी, प्रशांत शाह, विजय पाटनी, संजीव जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक अर्चना चिटनिस जी ने गुरुजनों से आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम में शहर के गणमान्य लोगों के साथ जैन समाज अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, गुजराती समाज, वैश्य समाज और सकल मानव समाज के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे। राष्ट्र संत 14 जनवरी को खंडवा पहुंचेंगे जहां उनकी तीन दिवसीय विराट प्रवचन माला पुरानी अनाज मंडी प्रांगण में आयोजित होगी।

शक्ति उपासना छोड़ी, इसलिए भारत को झेलनी पड़ी परतंत्रता : विश्वकर्मा

नवभारत न्यूज

बुरहानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को आदर्श बस्ती में एक हिन्दू सम्मेलन हुआ। इसमें जिला प्रचारक अभय विश्वकर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए जिला प्रचारक अभय विश्वकर्मा ने कहा कि जिस राष्ट्र और समाज ने शक्ति की उपासना को संजोया हैए वह हमेशा शक्तिशाली और संपन्न रहा है। उन्होंने जोर दिया कि शक्ति ही सर्वश्रेष्ठ है और इसके बिना कोई भी समाज प्रगति नहीं कर सकता।

धर्म की रक्षा स्वयं करनी पड़ेगी:- विश्वकर्मा ने भारत के गौरवशाली अतीत का उल्लेख करते हुए चंद्रगुप्त मौर्य और राजा विक्रमादित्य जैसे शासकों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि भारत शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी थाए जहां सवा लाख गुरुकुल और अनेक विश्वविद्यालय थे। हालांकिए उन्होंने चिंता व्यक्त की कि लगभग हजार वर्ष पहले भारत के लोगों ने शक्ति की पूजा बंद कर दी और केवल देवी.देवताओं की आराधना पर ध्यान केंद्रित कियाए जिसके परिणामस्वरूप उन्हें परतंत्रता का दंड भुगतना पड़ा। उन्होंने बताया कि हमारे देवी.देवताओं और महापुरुषों के हाथों में ज्ञान के लिए शास्त्र और उसकी रक्षा के लिए शस्त्र दोनों होते हैं। विश्वकर्मा ने हिन्दू समाज से अपने मान बिंदुओं को याद रखनेए संगठित होने और एक मंच पर आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज को अपनी भूमिका समझनी होगी और धर्म की रक्षा स्वयं करनी पड़ेगी। सम्मेलन का समापन भारत माता की आरती के साथ हुआ।

श्री स्वामी समर्थ का पूजन व जप किया

नवभारत न्यूज

शाहपुर। जिले में अखिल भारतीय श्री स्वामी समर्थ गुरुकुल पिठ के पीठाधीश परम पूजनीय गुरु माऊलीजी के आशीर्वाद से और श्री चंद्रकांत दादा एवं गुरुपुत्र नितिन भाऊ मोरे इनके मार्गदर्शन से तथा मध्यप्रदेश राज्य के प्रचार प्रमुख नितिन दादा पाटिल, अधिवक्ता प्रीति ताई पाटील की उपस्थिती में श्री स्वामी समर्थ महाराज का विजय रथ का भ्रमण विश्व् कल्याण और विश्व शांति हेतु एवं सभी मानव जातिके हित एवं समस्या निवारण होवे भारत को विश्व्वगुरु पद प्राप्त होवे तथा तिसरा महायुद्ध ना होकर महा मारी ना आवे अकाल या अती वृष्टी ना होवे हर कुटुंब मे गोकुल निर्माण होवे इस संकल्प हेतु तीनो गुरुपुत्र के मार्गदर्शन से त्रंबकेश्वर से विजय रथ का प्रारंभ होकर मध्य प्रदेश राज्य के महाकाल नगरी उज्जैन मे दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रथम दिन मंगल ग्रह की पुजा एवं दुसरे दिन भस्म लिंगार्चन सोहला के अवसर पर गुरु माउली अन्ना साहब मोरे जी के अमृतवाणी से सत्संग मेळावा संपन्न हुआ ।

मध्य प्रदेश के विविध जिलो में होकर परीभ्रमन कर बुरहानपुर जिले के संजय नगर केंद्र में तीस जोड़ों ने श्री स्वामी समर्थ का पुजन एवं जप कर पादुका पुजन किया गया ।

पेयजल की शुद्ध आपूर्ति हर हाल में हो सके इसके लिए निगम प्रशासन का अमला सक्रियता से कार्यो में जुटा

नवभारत न्यूज

बुरहानपुर। नगर निगम द्वारा शहर के सभी वार्डों में पाइप लाइन का सुधार कार्य तेजी से किया जा रहा है ताकि आम जनता को स्वच्छ पानी सुचारु रूप से मिल सके। नगर निगम द्वारा भेजे गए पानी के सैंपल की रिपोर्ट सौंप दी है। जिसमें राहत की बात यह है कि जांच रिपोर्टो में पानी को पीने योग्य माना गया है नगर निगम बुरहानपुर द्वारा जनस्वास्थ्य को सर्वोपरि मानते हुए स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए त्वरित और ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। आज भी नगर निगम ने वार्डो में जाकर स्लूइस वॉल्व रिपेयरिंग कर पाइपलाइन रिपेयर सुधार कार्य किया गया आज भी निगम द्वारा लोहारमंडी गेट के पास लिकेज रिपेयर पीपल वाली गली के सामने लिकेज रिपेयर रियाज पहलवान कि होटल के पास 160 के दो कप्लर फ्यूजन कर लिकेज बन्द किया गया शिकारपुरा में भी कार्य जारी है। निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर की जनता को जल समस्या से कोई भी शिकायत की निराकरण के लिए नगर निगम द्वारा हेल्पलाइन नंबर जारी है किया गया है 9630028148 पर आप अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हो निराकरण करने के लिए नगर निगम की टीम 24 घंटे तत्पर है। इस दौरान सहायक यंत्री अशोक पाटिलएउपयंत्री सुनील चौहानए संतोष सुखदानेए नितिन तिवारी आदि जल विभाग की टीम द्वारा कार्य किया जा रहा है।

संकल्प समाधान अभियान शिविर को लेकर कार्यशाला का आयोजन

निगम आयुक्त ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

नवभारत न्यूज

बुरहानपुर। सुशासन व स्वराज हेतु प्रतिबद्ध विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य अंतर्गत शासन के समस्त विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और सेवाओं का पूरा लाभ ग्राम नगरीय निकायों स्तर पर उसके पात्र हितग्राहियों तक समय.सीमा में पहुंचाने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि दिनांक 12 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक विशेष अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों को भारत सरकार एवं राज्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं उन योजनाओं में जिनके लक्ष्य निर्धारित हैंए लक्ष्य अनुरूप लाभ एवं शासन द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान का नाम संकल्प से समाधान अभियानष् इस अभियान का प्रथम चरण दिनांक 12 जनवरी से 15 फरवरी 2026 को किया जाएगा एवं 31 मार्च तक यह नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्रों में चलाया जाएगा।

निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने सभी अधिकारी कर्मचारी को बताया कि सभी शिविर शहरी क्षेत्रों में संचालित रहेगा। अभियान के चार चरण निर्धारित है। प्रथम चरण में 12 जनवरी से 15 फरवरी तक आवेदन प्राप्त करने की कार्यवाही की जावेगी। नगरीय क्षेत्रों वार्डों में दल गठित कर कैंप लगा कर आवेदन प्राप्त करने की कार्यवाही की जाएगी। द्वितीय चरण 16 फरवरी से प्रारंभ होकर 16 मार्चए 2026 तक चलेगा। जिसमें ग्रामीण और नगरीय निकायों में नोडल अधिकारी कार्य संपादित करेंगे। द्वितीय चरण में प्रथम चरण के तहत प्राप्त शेष आवेदनों के निराकरण हेतु शिविर लगाए जायेंगे। आवेदनों के निराकरण की स्थिति पोर्टल पर दर्ज करनी होगी। प्रत्येक वार्ड के लिए पांच दल बनाएंगे प्रत्येक दल वार्ड में घर.घर जाकर सर्वे करेंगे तथा पंजीयन करना अनिवार्य है 5 दिन तक के संघन अभियान चलाया जाएगा सभी सेक्टर अधिकारी सुपरवाइजर कर्मचारी कंप्यूटर ऑपरेटर आदि प्रत्येक टैक्स आर आई अपने.अपने वार्ड में दल के साथ भ्रमण करेंगे और वसूली को ज्यादा से ज्यादा वसूल करना है सभी आवेदन ऑफ्लाइन लेना है जिनका निराकरण जिला स्तर पर किया जाएगा।

सेक्टर अधिकारी अपने अपने सेक्टर वार्ड में घर.घर जाकर पूरा निरीक्षण करें और अभियान में जोड़ सफाई से संबंधित शिकायत का निराकरण करें आपके निगम के प्रति जनता का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस अवसर पर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ,कार्यपालन यंत्री प्रेम कुमार साहू सहायक ,आयुक्त सुश्री स्वर्णिका वर्मा, सहायक आयुक्त रितेश पाटीदार, सहायक यंत्री अशोक पाटिल ,गोपाल महाजन ,संदीप तिवारी जन संपर्क अधिकारी हरिश मोरे, सेक्टर अधिकारी सुपरवाइजर जल विभागएलोक निर्माण विभाग, स्वास्थ विभाग संपत्तिकर विभाग, राजस्व विभाग योजना विभाग सभी विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

एक नजर

किसान कल्याण वर्ष 2026 का शुभारंभ

परंपरागत खेती, मृदा संरक्षण और प्राकृतिक कृषि को जनआंदोलन बनाएं : चिटनिस

नवभारत न्यूज

बुरहानपुर। कृषि को आधुनिक तकनीक, परंपरागत ज्ञान और प्राकृतिक संतुलन के साथ नई ऊँचाइयों तक ले जाने तथा अन्नदाता के सम्मान और समग्र उत्थान की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की दूरदर्शी पहल पर वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस महाअभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री द्वारा किया गया।

इसी तारतम्य में बुरहानपुर जिले में जिला स्तरीय कार्यक्रम एवं संवाद सत्र आयोजित हुआ। जिसमें विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम में श्रीमती चिटनिस ने कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा प्रशासनिक अधिकारियों एवं प्रगतिशील कृषकों से संवाद किया।

श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि कृषि केवल आजीविका नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और सभ्यता की आत्मा है। परंपरागत खेती पद्धतियाँ पर्यावरण के अनुकूल थीं और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखती थीं। आज आवश्यकता है कि आधुनिक विज्ञान के साथ हम अपने पूर्वजों के ज्ञान और उस अनुभव को अपनाए। विदेशों से आए रासायनिक खाद को लौटाए पारंपरिक ज्ञान को पुन: अपनाकर टिकाऊ और लाभकारी खेती को बढ़ावा दे। श्रीमती चिटनिस ने मिट्टी की गिरती उर्वरता और उससे जुड़े स्वास्थ्य संकट पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि रसायनों के अनियंत्रित और अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी में मौजूद जैविक कार्बन ;आर्गेनिक कार्बनद्ध लगभग समाप्त हो रहा हैए जिससे उपजाऊ भूमि धीरे.धीरे निष्प्राण होती जा रही है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गयाए तो यह भावी पीढ़ियों के लिए गंभीर संकट बनेगा।

श्रीमती चिटनिस ने एक विचारणीय तथ्य रखते हुए कहा कि प्रकृति ने हमें वातावरण में 78 प्रतिशत नाइट्रोजन मुफ्त उपलब्ध कराई ह, फिर भी हम भारी धन खर्च कर रासायनिक नाइट्रोजन खरीद रहे हैं। केवल प्राकृतिक खेती ही वह सशक्त मार्ग है, जिससे मिट्टी की जैविक संरचना पुनर्जीवित होती है और भूमि स्वयं वायुमंडलीय नाइट्रोजन को अवशोषित करने में सक्षम बनती है।

श्रीमती अर्चना चिटनिस ने हर्बिसाइड, वीडिसाइड और पेस्टिसाइड जैसे घातक रसायनों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि ये न केवल मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को नष्ट कर रहे हैं, बल्कि भोजन के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश कर गंभीर बीमारियों को जन्म दे रहे हैं। मुख्यमंत्रीजी की मंशा के अनुरूप कृषि को लाभ का धंधा बनाने और किसानों को आत्मनिर्भर करने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्राकृतिक खेती को जन.आंदोलन का रूप दिया जाए। इसी क्रम में जिले के किसानों को इस पद्धति से जोड़ने और जागरूक करने हेतु आगामी 15 दिनों का विशेष जागरूकता अभियान चलाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत प्रशासनिक एवं कृषि विभाग की टीमें गांव.गांव और खेत.खेत जाकर किसानों को रासायनिक कृषि के दुष्प्रभावों से अवगत कराएँगी तथा प्राकृतिक खेती की सरल तकनीकों का प्रशिक्षण देंगी।

कार्यक्रम में किसानों, जनप्रतिनिधियों, कृषि विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अंत में उपस्थित किसानों ने प्राकृतिक खेती अपनाने, मृदा स्वास्थ्य सुधारने और जल संरक्षण के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम ने श्किसान सशक्त.प्रदेश समृद्ध के संदेश के साथ किसान कल्याण वर्ष 2026 को जन.जन तक पहुँचाने की मजबूत शुरुआत की। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य किशोर पाटिल, दिलीप बेलदार, किशोर शाह, देवानंद पाटिल, विनोद कोली, कृषि विभाग के उपसंचालक मनोहर देवके, आशीष शुक्ला एवं आकाश चौधरी आदि उपस्थित रहे।